केंद्रीय विद्यालय संगठन, जबलपुर संभाग

प्री बोर्ड प्रश्न पत्र 2025-26

विषय - हिंदी (आधार) - (302)

कक्षा– बारहवीं

समयः 03 घंटे अधिकतम अंक - 80 अंक

सामान्य निर्देश :-निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-

यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है।

खंड - क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

खंड – ख में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

खंड - ग में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

प्रश्न संख्या	खंड - क	अंक - 18
प्रश्न 1.	समाज में, परिवार में विविध कुल परंपराओं को अनदेखा नहीं किया जा सकता। हमारे वयोवृद्ध ही इन संस्कृतियों एवं परंपराओं के वाहक होते हैं और इनसे भलीभांति परिचित होते हैं। वयोवृद्ध परिवार के तरुण सदस्यों को धर्मोन्मुख करते हैं, धार्मिक विधि-विधानों का महत्त्व समझाते हैं। वे भौतिकता और आध्यात्मिकता में संतुलन कायम करना सिखाते हैं। वे ही परिवार में शांति के उपाय, लोक व्यवहार, रीति-नीति आदि के बारे में सद्‌गुण विकसित करने में सहायक होते हैं और संस्कारों की नींव रखते हैं। अतः किसी भी कारणवश परिवार के वृद्धजनों का अनादर एवं अपमान नहीं होना चाहिए। तरुणों का यह परम कर्तव्य हो जाता है। कि वे उनकी भावनाओं को ठेस न पहुँचाएँ और उनके मान- सम्मान में कोई कमी न आने दें तथा उनकी सुरक्षा कोमलता से करें। भौतिक जीवन-शैली के चलते भारतीय सनातन संस्कृति के मूल्य बदलते जा रहे हैं जिसका परिणाम बुजुर्गों की उपेक्षा एवं उनका तिरस्कार है। बुजुर्गों को दरकिनार करने से आज परिवारों में कलह-क्लेश, दुख-संताप बढ़ रहा है। भौतिक जीवन-शैली से हमारी आस्थाओं के मूल्य ही बदल गए हैं। मानसिक अशांति बढ़ रही है, रोग-शोक बढ़ रहे हैं। परिवार के तरुण सदस्यों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे परिवार के वृद्धजनों को अपने से अलग न करें एवं उनका यथोचित मान-सम्मान करें। परिवार, समाज की कसौटी पर खरी उतरने वाली धारणाओं, मान्यताओं एवं परम्पराओं को तोड़ने मोड़ने का या उनकी अनदेखी करने का प्रयास कदापि न करें। संस्कार वहीं अच्छे होंगे जहाँ बुजुर्गों का, माँ-बाप का मान-सम्मान करते हुए उनके द्वारा निर्देशित संस्कृति एवं परंपराओं का ध्यान रखा जाएगा। बुजुर्ग जीवन के मूल्यों को जानने वाले होते हैं। उनका भी	10अंक

	कर्तव्य है कि, वे परिवार के हर मामले में अनावश्यक हस्तक्षेप इसलिए न करें कि, वे बुजुर्ग हैं। उनको भी हृदय की विशालता बनाए रखने में संकोच नहीं करना चाहिए।	
I.	वृद्धजनों का अनादर करने के परिणामों के विषय में कौन-सा कथन असत्य है? (क) सामाजिक व पारिवारिक विघटन (ख) समाज और परिवार में कुव्यवस्था (ग) परिवार में कलह-क्लेश, दुःख- संताप (घ) भौतिकता और आध्यात्मिकता का संतुलन	1
II.	निम्नलिखित कथन-कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए: कथन (A) भारतीय सनातन संस्कृति के मूल्य बदलते जा रहे हैं। कारण (R) भौतिक जीवन शैली का प्रभाव सर्वत्र हावी हो रहा है। (क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है। (ख) कथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है। (ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों ग़लत हैं। (घ) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) कथन (A) की ग़लत व्याख्या करता है। दिए गए पद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिये	1
III.	भौतिक सुख-सुविधा के साधनों की वृद्धि ने जीवन को सुगम बनाने के साथ-साथ क्या दुखद स्थितियाँ दी हैं? (क) शारीरिक और मानसिक व्याधियाँ (ख) व्यस्त जीवन-शैली (ग) धन-दौलत का अंबार (घ) जीवन का एकाकीपन	1
IV.	गद्यांश के अनुसार तरुणों का परम कर्तव्य कौनसा है ?	1
V.	भौतिकता ने तरुणों और वृद्धों को कैसे प्रभावित किया है?	2

VI.	गद्यांश के अनुसार तरुणों का परम कर्तव्य कौनसा है ?	2
VI.	प्रस्तुत गद्यांश हमें क्या शिक्षा प्रदान करता है?	2
प्रश्न 2.	निम्नांकित में से किसी एक पदयांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नो के उत्तर दीजिये| पुरुष हो, पुरुषार्थ करो, उठो। पुरुष क्या, पुरुषार्थ हुआ न जो, हृदय की सब दुर्बलता तजो। प्रबल जो तुम में पुरुषार्थ हो, सुलभ कौन तुम्हें न पदार्थ हो? प्रगति के पथ में विचरों उठो । पुरुष हो, पुरुषार्थ करो, उठो।। न पुरुषार्थ बिना कुछ स्वार्थ है,न पुरुषार्थ बिना परमार्थ है। समझ लो यह बात यथार्थ हैकि पुरुषार्थ ही पुरुषार्थ है। भुवन में सुख-शांति भरो, उठो। पुरुष हो, पुरुषार्थ करो, उठो ।। न पुरुषार्थ बिना स्वर्ग है,न पुरुषार्थ बिना अपसर्ग है। न पुरुषार्थ बिना क्रियत कहीं,न पुरुषार्थ बिना प्रियता कहीं। सफलता वर-तुल्य वरो, उठो । पुरुष हो, पुरुषार्थ करो, उठो।। न जिसमें कुछ पौरुष हो यहाँ-सफलता वह पा सकता कहाँ ? अपुरुषार्थ भयंकर पाप है,न उसमें यश है, न प्रताप है। न कृमि-कीट समान मरो, उठो । पुरुष हो, पुरुषार्थ करो, उठो।।	8अंक
(I)	कवि ने मनुष्य को क्या प्रेरणा दी है? (क)अपनी समस्त शक्तियाँ इकट्ठी करके परिश्रम करे (ख)उन्नति की दिशा में कदम बढ़ाए। (ग)उपर्युक्त (i) और (ii) दोनों (घ) इनमें से कोई नहीं ।	1
(II)	मनुष्य पुरुषार्थ से क्या कर सकता है? (क)वह विश्व में सुख-शांति की स्थापना कर सकता है। (ख)अपना व समाज का भला कर सकता है। (ग)पुरुषार्थ से स्वार्थ और परमार्थ दोनों पा सकता है (घ)उपर्युक्त तीनों कथन सत्य हैं ।	1

(III)	प्रबल शब्द में कौन सा उपसर्ग प्रयुक्त हुआ है ? (क) प्र (ख) प्रब (ग) ल (घ) ल	1
(VI)	काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए।	1
(V)	'सफलता वर-तुल्य वरो, उठो'—पंक्ति का अर्थ है	2
(VI)	कविता में पाप किसे कहा गया है'-?	2
	खंड - ख	22 अंक
प्रश्न 3.	निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :-01x06-06 (i) अचानक अतिथि सेवा का अवसर (ii) इंटरनेट वर्तमान युग की मांग ही नहीं, बल्कि आवश्यकता भी बन गया है। (iii) परोपकार मनुष्य का धर्म	1×6=6
प्रश्न 4.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं चार प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए :-	4x2 = 8
(क)	बीट किसे कहते हैं? स्पष्ट कीजिए।	2
(ख)	कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय दृश्य विभाजन किस प्रकार किया जाता है ?	2
(ग)	आलेख और फीचर लेखन में क्या अन्तर है?	2
(घ)	जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम कौन-सा है? उसकी कौन-कौन स विशेषताएँ हैं?	2
(ङ)	रेडियो के लिए समाचार कॉपी तैयार करते समय किन-किन बुनियादी बातों का ध्यान रख जाना चाहिए ?	2
प्रश्न 5.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 80 शब्दों में उत्तर दीजिए :-	2×4=8
(क)	प्रिंट या मुद्रित माध्यम से आप क्या समझते हैं? इसकी किन्हीं तीन विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।	4
(ख)	उलटा पिरामिड शैली किस प्रकार के लेखन की बुनियादी शैली होती है ? इसके मुख्य तीन भागों को स्पष्ट करें|	4
(ग)	खेल पत्रकारिता के महत्त्व को रेखांकित करते हुए बताएँ कि खेल पत्रकार में क्या विशेषताएँ होनी आवश्यक हैं ?	4
	खंड - ग	40 अंक
प्रश्न 6.	आखिरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था	5x1=5

	ज़ोर ज़बरदस्ती से बात की चूड़ी मर गई और वह भाषा में बेकार घूमने लगी ! हार कर मैंने उसे कील की तरह उसी जगह ठोंक दिया। ऊपर से ठीकठाक पर अंदर से न तो उसमें कसाव था न ताकत ! बात ने, जो एक शरारती बच्चे की तरह मुझसे खेल रही थी, मुझे पसीना पोंछते देख कर पूछा- "क्या तुमने भाषा को सहूलियत से बरतना कभी नहीं सीखा?"	
(I)	बात कवि के साथ किसके समान खेल रही थी? क. पेंच के समान ख. कील के समान ग. बच्चे के समान घ. खिलौने के समान	1
(II)	'बात की चूड़ी मर जाना' से कवि का तात्पर्य है- क. बात का प्रभावहीन हो जाना ख. बात का सहज और स्पष्ट हो जाना ग. बात में कसावट आ जाना घ. उपर्युक्त में से कोई नहीं	1
(III)	बनावटी एवं आडंबरयुक्त भाषा के प्रयोग से बात कैसी हो गई? क. प्रभावहीन ख. उद्देश्यहीन ग. अर्थहीन घ. उपर्युक्त सभी	1

(IV)	भाषा को सहूलियत से बरतने से क्या तात्पर्य है? क. भाव के अनुरूप सहज एवं सरल शब्दों का प्रयोग करना ख. भावाभिव्यक्ति के लिए अनावश्यक आडंबरयुक्त शब्दों के प्रयोग से बचना ग. अनावश्यक पांडित्य प्रदर्शन से बचना घ. उपर्युक्त सभी	1
(V)	अभिकयन (A)- बात और भाषा एक दूसरे से जुड़े रहते हैं। कारण (R)- हमें अनावश्यक पांडित्य प्रदर्शन से बचना चाहिए। क. अभिकथन (A) सही है जबकि कारण (R) गलत है। ख. अभिकथन (A) गलत है जबकि कारण (R) सही है। ग. अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है R, A की व्याख्या करता है, घ. अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है R, Aकी व्याख्या नहीं करता है।	1
प्रश्न 7	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए :-	02X03 =06
(क)	दिन के जल्दी-जल्दी ढलने से क्या प्रेरणा मिलती है?	03
(ख)	पाठ कवितावली के आधार पर स्पष्ट करें कि क्या तुलसी युग की समस्याएँ आज भी विद्यमान हैं?	03
(ग)	कविता के संदर्भ में 'बिना मुरझाए महकने के माने क्या होते हैं? कविता के बहाने पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।	03
प्रश्न 8.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए :-	02X02 =04
(क)	'सबसे तेज़ बौछारें गयीं, भादो गया' के बाद प्रकृति में जो परिवर्तन कवि ने पतंग कविता में दिखाया है, उसका वर्णन अपने शब्दों में करें।	02
(ख)	'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता आज के मिडिया पर प्रासंगिक व्यंग्य है, कैसे?	02
(ग)	'छोटा मेरा खेत' कविता में कवि कागज़ को खेत का ही रूप क्यों मानता है?	02

प्रश्न-9	निम्नलिखित गदयांश को ध्यानपूर्वक पढ़िये और उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए जाति-प्रथा के पोषक जीवन, शारीरिक सुरक्षा तथा संपत्ति के अधिकार की स्वतंत्रता को तो स्वीकार कर लेंगे, परंतु मनुष्य के सक्षम एवं प्रभावशाली प्रयोग की स्वतंत्रता देने के लिए जल्दी तैयार नहीं होंगे, क्योंकि इस प्रकार की स्वतंत्रता का अर्थ होगा अपना व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता किसी को नहीं है, तो उसका अर्थ उसे 'दासता' में जकड़कर रखना होगा, क्योंकि 'दासता केवल कानूनी पराधीनता को नहीं कहा जा सकता। 'दासता' में वह स्थिति भी सम्मिलित है जिससे कुछ व्यक्तियों को दूसरे लोगों के द्वारा निर्धारित व्यवहार एवं कर्तव्यों का पालन करने के लिए विवश होना पड़ता है। यह स्थिति कानूनी पराधीनता न होने पर भी पाई जा सकती है। उदाहरणार्थ, जाति-प्रथा की तरह ऐसे वर्ग होना संभव है, जहाँ कुछ लोगों की अपनी इच्छा के विरुद्ध पेशे अपनाने पड़ते हैं।	5
(i)	लेखक के अनुसार जाति-प्रथा के समर्थक किस अधिकार को देने के लिए राजी नहीं होंगे? क. जीवन जीने का अधिकार ख. शारीरिक सुरक्षा ग. संपत्ति का अधिकार घ. व्यवसाय का चयन	1
(ii)	दासता में कौन-सी अवधारणा समिल्लित नहीं है? सही विकल्प का चयन कीजिए:- . क स्वाधीनता के साथ जीना ख. कानूनी पराधीनता का होना ग. इच्छा के विरुद्ध कार्य करना घ. दूसरों द्वारा निश्चित कार्य करना	1
(iii)	मनुष्य के प्रभावशाली प्रयोग से लेखक का क्या तात्पर्य है? क. दैहिक स्वतंत्रता प्रदान करना ख. शारीरिक सुरक्षा तथा संपत्ति का अधिकार ग. अपनी इच्छा से कार्य करने की स्वतंत्रता घ. अपनी इच्छा से जाति के चयन का अधिकार	1

(iv)	जीवन, शारीरिक सुरक्षा तथा संपत्ति के अधिकार की स्वतंत्रता पर किसी को कोई आपत्ति क्यों नहीं है? . क इन अधिकारों को देने के बाद भी दासता की प्रक्रिया बनी रहती है ख. क्योंकि स्वतंत्रता सभी को जाति विरोधी नहीं लगती है ग. क्योंकि जाति-प्रथा के पोषकों को स्वतंत्र और सुरक्षित रहना प्रिय है घ. इसके पश्चात् समाज में दासता को कानूनी मान्यता दी जा सकती है	1
(v)	जाति-प्रथा के पोषक से लेखक का क्या आशय है? क. जाति के चयन को बढ़ावा देने वाले ख. जातिगत भेदभाव को बढ़ावा देने वाले ग. जातिगत भेदभाव के व्यवहार को तिलांजलि देने वाले घ. जाति को कानूनी मान्यता देने वाले	1
प्रश्न 10	.निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए :-	2x3=6
(क)	भक्तिन पाठ के आधार पर पंचायत द्वारा किए गए अन्याय पर टिप्पणी कीजिए।	03
(ख)	'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर बताएँ कि भगत जी का व्यक्तित्व बाज़ार को कैसे सार्थकता देता है ?	03
(ग)	"काले मेघा पानी दे' विज्ञान के तथ्य पर सहज प्रेम की विजय है।" - आशय स्पष्ट करें।	03
प्रश्न 11	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए :-	2x2 = 4
(क)	“भक्तिन अच्छी है उसमे दुर्गुणों का अभाव नहीं है” इस कथन के समर्थन में दो तर्क दीजिये ?	02
(ख)	शिरीष के फूल पाठ के आधार पर स्पष्ट करें कि लेखक गाँधीजी और शिरीष को एक समान क्यों बताता है ?	02
(ग)	पहलवान की ढोलक पाठ में ढोलक की आवाज़ का पूरे गाँव पर क्या असर होता था ?	02
प्रश्न 12.	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (लगभग 60 शब्दों में)	2x5=10
(क)	सिल्वर वैडिंग कहानी के आधार पर उन भारतीय जीवन मूल्यों को समझाइए जो समय के साथ बदल रहे हैं ?	05
(ख)	आपके ख्याल से पढ़ाई-लिखाई के सम्बन्ध में लेखक और दत्ता जी राव का। रवैया सही था या लेखक के पिता का? जूझ कहानी के आधार पर तर्क सहित उत्तर दें।	05

(ग)	"सिंधु सभ्यता की खूबी उसका सौन्दर्य है जो राजपोषित या धर्म पोषित न होकर समाज पोषित था।" अतीत में दबे पांव पाठ के आधार पर उत्तर दीजिये ?	05